

नियम-② - पर्व व्यंजन संधि:-

द + क/ख/ग/घ/प/फ/स
त काका तथा पापा साथ

यदि 'द' के बाद क/ख/ग/घ/प/फ/स वर्ण आ जायेंगे तो 'द' का 'त' हो जाता है -

जैसे - उद् + कंठ - उत्कंठ, उद् + कोच - उत्कोच

विपद् + काल - विपत्काल, शरद् + काल - शरत्काल

तै उद् + खनन - उत्खनन, तै उद् + तर - उत्तर,

उत्थान - उद् + स्थान, उत्पन्न - उद् + पन्न

उद् + साह - उत्साह, उत्कर्ष - उद् + कर्ष

तै उत्पल - उद् + पल

नियम-③ अनुनासिक व्यंजन संधि:-

(i) [म् + क से भ तक]

↓
पँचमवर्ण

यदि 'म्' के बाद क से भ तक का

कोई वर्ण आ जाए तो 'म्' का अनुस्वार और पँचम वर्ण दोनों हो जाता है, पँचम वर्ण बनता तो 'म्' का ही है लेकिन अगले वर्ण के वर्ण का बनता है - जैसे - सम् + कर - संकर / सङ्कर / सङ्कुर

सम् + कल्पन - संकल्पन / सङ्कल्पन / सङ्कल्पन

भयम् + कर् - भयंकर / भयङ्कर / भयङ्कर

अलम् + कार - अलंकार / अपङ्कार / अपङ्कार

सम् + ख्या - संख्या / सङ्ख्या, सम् + गम - संगम / सङ्गम / सङ्गम

सम् + घटन - संघटन / सङ्घटन / सङ्घटन

सम् + चार - संचार / सञ्चार, सम् + चित - संचित / सञ्चित

किञ्चित् - किम् + चित् = किञ्चित्, सम् + जय - संजय/सञ्जय
 सम् + लोष - संलोष/सन्लोष, सम् + देह - संदेह/सन्देह
 मृत्युम् + जय - मृत्युञ्जय/मृत्युञ्जय, सम् + धारण - संधारण/सन्धारण
 सम् + पूर्ण - संपूर्ण/सम्पूर्ण, सम् + प्राप्ता - संप्राप्ता/सम्प्राप्ता
 सम् + भव - संभव/सम्भव